

पेरिस पैरालिंपिक के 3 विजेताओं को मिलेंगे एक-एक करोड़ रुपए: सीएम यादव

सीएम यादव से ओलंपियन कपिल बोले- विवेक सागर की तरह हमें भी डीएसपी बनाएं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में प्रदेश भाजपा कार्यालय में पेरिस पैरालिंपिक विजेता एमपी के तीनों खिलाड़ियों प्राची यादव, कपिल परमार और पूजा ओझा का सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सम्मान किया। इस मौके पर बीजेपी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, विधायक भगवानदास सबनानी मौजूद थे। सीएम ने पैरालिंपिक विजेता खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

सम्मान समारोह में सीएम ने तीनों पेरिस ओलिंपिक विजेताओं को सरकार की ओर से एक-एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की। सीएम से ओलंपियन कपिल परमार ने सीएम से कहा कि सरकार ने विवेक सागर को डीएसपी बनाया था। ये सुनकर सीएम ने कहा अभी हाल कर देते हैं। आप तीनों को भी पुरस्कार देंगे। आपने सर्विस की बात कही है। इनाम की धनराशि के लिए मुझे जरूर पूछना पड़ेगा। ये सुनकर कपिल ने कहा- सबके लिए बराबर होना चाहिए क्योंकि जब मोदी जी भेदभाव नहीं कर रहे तो यहां भी नहीं होना चाहिए। इसके बाद फिर सीएम ने कहा- मैं



आप तीनों को भी एक-एक करोड़ देने की घोषणा करता हूं।

सीएम बोले- हमारे बच्चों ने झंडे गाड़ दिए-सीएम ने कहा- दुनिया के सबसे गणतंत्र के नायक की कार्य शैली हम दो दिनों से देख रहे थे। उनकी भावना है वन अर्थ वन फैमिली इसलिए पृथ्वी के इस कुल में हमारे बच्चों ने देश के झंडे गाड़ दिए। आपने न केवल प्रदेश, देश का नाम बढ़ाया। खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना हम सबके लिए गर्व की बात है। सदस्यता अभियान में मप्र ने 83 लाख सदस्य बनाकर रिकॉर्ड बनाया है।

यूपी के कुशीनगर में जाली नोटों की तस्करी का पर्दाफाश

सपा नेता समेत 10 लोग गिरफ्तार, 4 लोग अभी भी फरार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जाली नोटों का कारोबार करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। इस गिरोह के 10 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसमें समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी का राष्ट्रीय सचिव रफी खान उर्फ बबलू गैंग भी गिरफ्तार किया है। इसे पूरे गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। इनके पास से 5.62 लाख रुपये के जाली नोट, अवैध तमचे और कारतूस भी बरामद हुए हैं। रफी खान का नेपाल-यूपी-बिहार व सीमावर्ती इलाकों में जाली नोट कारोबार का नेटवर्क था। पुलिस ने इस गिरोह के 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान शेख जमालुद्दीन, नियाजउद्दीन उर्फ मुन्ना, रेहान खान उर्फ सददाम, औरंगजेब, मोहम्मद रफी, नौशाद खान, परवेज इलाही उर्फ कौसर अफरीदी, मोहम्मद रफीक उर्फ बबलू खान, हाशिम खान और सिराज हशमती के रूप में की गई है। इस मामले में 4 आरोपी अभी फरार चल रहे हैं। इनकी पहचान बिहार के सिवान की है।

तिरुपति के लड्डुओं पर कायम है भक्तों का भरोसा

हैदराबाद (एजेंसी)। इन दिनों तिरुपति लड्डुओं की मिलावट पर विवाद जारी है। खास तरेके से तैयार किए जाने वाले इन लड्डुओं में चर्बी की शिकायत पाई गई है। इसके बावजूद लड्डुओं की बिक्री में कमी नहीं आई है। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर मंदिर में 60 हजार श्रद्धालु हर रोज पहुंचते हैं। मंदिर प्रशासन के मुताबिक पिछले चार दिनों में 14 लाख तिरुपति लड्डू बेचे गए हैं। इसमें 19 सितंबर को 3.59 लाख, 20 सितंबर को 3.17 लाख, 21 सितंबर को 3.67 लाख और 22 सितंबर को 3.60 लाख लड्डू बेचे गए हैं। बिक्री के आंकड़ों का औसत प्रतिदिन 3.50 लड्डुओं का है। तिरुपति

लड्डुओं पर विवाद और इसके बावजूद बिक्री पर असर न पड़ने को लेकर श्रद्धालुओं ने भी अपनी राय रखी है। वेंकटेश्वर राव नाम के एक भक्त ने कहा कि हमारी श्रद्धा को इतनी आसानी से नहीं हिलाया जा सकता। यहां पर मौजूद कुछ अन्य भक्तों ने कहा कि तिरुपति लड्डू को लेकर विवाद अब इतिहास की बात हो चुकी है। गौरतलब

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर आज वोटिंग

उमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे, पहले फेज में 61 फीसदी मतदान हुआ था



श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कल बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग

और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गान्दरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गान्दरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38 फीसदी मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20 फीसदी और पुलवामा में सबसे कम 46.99 फीसदी वोटिंग हुई। श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, पीडीपी ने सभी सीटों पर कैंडीडेट्स उतारे दूसरे फेज में सबसे ज्यादा 8 श्रीनगर में और सबसे कम 2 सीटें गान्दरबल जिले की हैं।

इजरायली हमलों से जलते लेबनान को मिला चीन का साथ

ड्रैगन ने दिया मदद का भरोसा, कहा-हम अरब भाइयों के साथ

बीजिंग (एजेंसी)। पेजर और वॉकी टॉकी में विस्फोट से हिजबुल्लाह के ठिकानों को थरा देने वाले इजरायल ने अब लेबनान में सीधी जंग छेड़ दी है। इजरायल ने एक ही दिन में लेबनान पर 1500 से ज्यादा हमले किए हैं। इन हमलों में अब तक लगभग 500 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद अब क्षेत्र में तनाव चरम पर है। जहां अमेरिका ने एलान कर दिया है कि वह मिडिल ईस्ट में अपने और सैनिकों की तैनाती करेगा वहीं अब चीन ने भी इस पर टिप्पणी की है। चीन ने लेबनान को हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब से कहा है कि चीन लेबनान की संप्रभुता की रक्षा और देश की सुरक्षा में उसका दृढ़ता से समर्थन करता है।

आज बीजेपी हर बूथ पर बनाएगी 100 सदस्य



भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा है कि कल बुधवार 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर पार्टी के संगठन पर्व का पहला चरण पूर्ण हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी 25 सितंबर को मध्यप्रदेश में अधिकतम सदस्यता दिवस में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह, सह प्रभारी श्री सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित पार्टी पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि अलग-अलग बूथों पर पहुंचकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय को श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता हर बूथ पर कम से कम 100 नए सदस्य बनाकर पं. दीनदयाल उपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सदस्यता अभियान में रिकॉर्ड बनाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी

हिंदुओं पर बांग्लादेश में ‘अत्याचार’! देश में बवाल

कानपुर टेस्ट मैच का कड़ा विरोध, 20 लोगों पर एफआईआर ● कानपुर में टेस्ट और ग्वालियर में होना है टी-20 का मुकाबला



कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के भारत दौरे का देश के अलग-अलग हिस्सों में जमकर विरोध हो रहा है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे ‘अत्याचार’ के खिलाफ कानपुर और ग्वालियर में प्रदर्शन किए गए। 27 सितंबर से कानपुर का ग्रीन पार्क पहले टेस्ट की मेजबानी करेगा जबकि ग्वालियर में छह अक्टूबर को टी-20 मैच होना है। कानपुर में पुलिस आज अखिल भारतीय हिंदू महासभा के 20 सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जो ग्रीन पार्क स्टेडियम के गेट नंबर 10 बी के सामने ट्रैफिक रोककर सड़क पर हवन कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, वीआईपी गेस्ट के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कानपुर के अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) हरीश चंद्र ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों सहित पर्याप्त पुलिस बल की मांग की गई है। उन्होंने कहा, हम सुरक्षा

जमीन आवंटन घोटाले में चलेगा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर केस

हाईकोर्ट से लगा तगड़ा झटका, गवर्नर ने दी थी मंजूरी



चलाने की मंजूरी नियमों के तहत दी गई। इस मामले में ऐक्विटिस्ट टीजे अब्राहम, एस. कृष्णा और प्रदीप कुमार एसपी ने शिकायत दर्ज कराई थी। जस्टिस नागप्रसन्ना ने कहा कि आमतौर पर राज्यपाल मंत्री परिषद की सिफारिश पर ही कोई निर्णय लेते हैं, लेकिन संविधान उन्हें विशेष परिस्थितियों में स्वतंत्र निर्णय लेने की भी परमिशन देता है। अदालत ने कहा कि इस मामले में शिकायत पर फैसला लेना जरूरी था। आमतौर पर राज्यपाल मंत्री परिषद की सलाह पर निर्णय लेते हैं, लेकिन कई बार विशेष परिस्थितियों में स्वतंत्र तौर पर भी फैसला लिया जा सकता है।



चिंतन

चित्रा माली

एडवर्ड सईद का जन्म 1 नवंबर 1935 में यरूशलेम में हुआ था। जो तीन महान धार्मिक विश्वासों का केंद्र बिंदु रहा है, जहां संस्कृति और धर्मों का एक अटूट संगम है,यह जमीन का ऐसा टुकड़ा है जिसमें आकर सब एक दूसरे में समाहित हो जाते हैं। सईद के नाम का पहला शब्द 'एडवर्ड' है जो इंग्लैंड के प्रिंस ऑफ वेल्स से प्रभावित होकर उनके माता पिता ने रखा था लेकिन इस विचित्र सम्मिलन से सईद की अपने परिवेश में एक अजीब तरह की पहचान बनती थी। सईद अपने नाम के पहले शब्द एडवर्ड को लेकर काफी असहज महसूस करते थे। अरब परिवार में नाम का यह आधा हिस्सा उन्हें असहज बनाता रहा था। भाषा को लेकर भी सईद के चिंतन में एक अलग तरह की छपटाहट दिखाई देती है,वे कहते हैं कि मेरा व्यक्तित्व अरबी और अंग्रेजी के बँटा हुआ था। सईद कहते हैं कि मुझे नहीं पता कि मेरी पहली भाषा कौन सी है, लेकिन ये अवश्य है कि दोनों ही भाषाएं मेरे जीवन में साथ साथ रही हैं और एक भाषा में दूसरी भाषा की प्रतिध्वनियां गुंजती रही हैं-कभी विडंबनात्मक रूप में, कभी नॉस्टेलजिया के रूप में। 1948 में जब इजरायल राष्ट्र का गठन हुआ तो सईद 12 वर्ष के थे। इस राष्ट्र के गठन से हजारों फिलिस्तीनी परिवारों को अपनी जड़ जमीन से विस्थापित होना पड़ा इनमें एक सईद का परिवार भी था। सईद का बचपन लेबनान और मिस्र में बीता। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मिस्र में हुई जिससे पढ़ाई में निपुण होने के बाद भी वे औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली और उसकी संस्कृति के साथ मेल नहीं बिठा पाए। आगे की पढ़ाई अमेरिका में हुई और अमेरिका के कोलम्बिया विश्वविद्यालय में वे अंग्रेजी तुलनात्मक साहित्य के प्रोफेसर हो गए। अमेरिकी शिक्षा व्यवस्था में भी सईद ने अपने आपको एक आउट साइडर के रूप में ही पाया। सईद शास्त्री,एडवोनों, रैमंड विलियमस और मिशेल फूको के लेखन से अधिक प्रभावित थे। पूर्व में सईद विश्वविद्यालय और उसके अध्ययन कक्षों के दायरों तक सीमित रहे लेकिन 1967 के अरब - इजरायल युद्ध में अरबों की स्थिति ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया। सईद ने अरब शरणार्थियों की भयावह स्थिति को बड़े करीब से देखा था। 1948 में वे स्वयं शरणार्थी के रूप में इस स्थिति को देख चुके थे। इसके बाद एडवर्ड सईद अमेरिका के विशुद्ध अकादमिक दायरे की सीमाओं को तोड़कर बाहर निकले और फिलिस्तीनी संघर्ष के प्रवक्ता बन गए। सईद अपनी किताब 'रिफ्लेक्शंस ऑन एक्साइट' की भूमिका में लिखते हैं कि पिछले तीन दशकों में जो एक सबसे बड़ा तथ्य उभर कर आया है वह यह है कि युद्ध,उपनिवेशवाद की प्रक्रिया और उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ाई,आर्थिक और राजनीतिक क्रांति,अकाल,जातीय नरसंहार और शक्ति के विशाल तंत्र के विनाशकारी परिणामों की वजह से एक विराट संख्या में मनुष्यों की आबादियां अपनी जड़ - जमीन से बेदखल हो गई हैं।

निर्वासित,प्रवासी,शरणार्थी और तमाम धकियाये हुए लोग जो अपनी जड़-जमीन से उखड़ गए हैं उन्हें इस नए परिवेश में रहना पड़ता है। वे जो कुछ कर रहे हैं उसमें रचनात्मकता के साथ साथ एक अवसाद को भी देखा जा सकता है। यह उन नए अनुभवों में से एक है जिसका वृत्तांत और ऐतिहासिक अभिलेख अभी लिखा जाना है। आज जब हम इंटेलेक्चुअल्स (बौद्धिकों) की बात करते हैं तो उन्हें एक संकुचित दायरे में पाते हैं जो अपने



तफ़्फ़ीक़ी

प्रो. राकेश सिंघ

लेखक वर्तमान में विश्वविद्यालय अभियांत्रिकीय संस्थान, आरजीपीवी शिवपुरी में संचालक हैं।

क नेता जी बड़े जोश से विकास-विकास चिल्लाते हुए, पिछली सरकारों के समय की एवं अपनी सरकार की विकास गाथा में सड़कों की अकादमिक तुलना कर रहे थे। पब्लिक भी बीच-बीच में ताली बजा रही थी। नेता जी कह रहे थे सड़कों के गड्डे बताते हैं की विकास हुआ है, अन्यथा पहले तो ये गड्डे भी नहीं हुआ करते थे। जनता हाँ में मुँडी हिलाते हुए नेता जी से सहमति जता रही थी, और नेता जी अब गड्डों के आकार पर अपनी शोध का बखान कर रहे थे। जितना बड़ा गड्ढा, उतना रोड का इस्तेमाल, और उतना ज्यादा विकास।



एक दौर आया विकास का, और शहरो, कस्बों को चका-चक चमकती हाईवे की सड़कों से जोड़ दिया गया। सभी ने अभी चैक की सांस ली ही थी की, रोड ठेकेदारों का छिपा हुआ तिलिस्म बाहर आने लगा। कहते हैं, किसी देश का औद्योगिक विकास देखना हो तो सड़कों का जाल जितना बिछेगा उतना विकास होगा। पर इसमें सड़कों की गुणवत्ता की कोई बात नहीं कही गई। सो, हाईवे बन तो गए, विकास भी दिखा गए, पर विकास का प्रमाण-पत्र पाते ही, सड़कों के छिपे गड्डे बाहर आकर विकास को धता दिखाने लगे। सड़कों ऐसी हो गई हैं की, जैसे किसी बहुत बड़े कारीगर ने इन्हें ज़मीन पर गड्डे उकेरने की प्रतियोगिता जीतने के लिए बनाया हो। गड्डे भी ऐसे कि लगने लगता है जैसे सड़क ने खुद किसी दर्दनाक प्रसव प्रक्रिया से गुजरते हुए इनको जन्म दिया हो। और इन गड्डों की संख्या देख कर यही लगता है कि सड़क हर

विश्वविद्यालयों के बौद्धिक कक्षों तक सीमित होकर रह गए हैं। उनके लिए ज्ञान या जानकारीयों का मकसद महज अपनी पदोन्नति या निजी स्वार्थों की पूर्ति करना है। इसके विपरीत अगर वर्तमान समय में हम पब्लिक इंटेलेक्चुअल की बात करें तो एडवर्ड डब्ल्यू सईद का नाम सबसे पहले हमारे जेहन में आता है जिन्हें पूरे विश्व में पब्लिक इंटेलेक्चुअल के रूप में जाना और याद किया जाता है। वे ऐसे इंटेलेक्चुअल थे जो जनता की लड़ाई सड़क पर आकर लड़ते थे,वे महज विमर्शों तक सीमित नहीं थे। वे अपनी बौद्धिक जिम्मेदारियों को जानते समझते थे और सार्वजनिक जीवन में उसका निर्वहन भी करते थे। सार्वजनिक बौद्धिक का यह पद लगभग समाप्त या कहीं अर्धहीन हो गया था जिसे सईद ने अपनी जीवनशैली और कार्यपद्धति से एक नई पहचान प्रदान की है। वर्तमान समय में समूचे विश्व में सत्तातंत्र ने 'बौद्धिक 'को महज एक अकादमिक विशेषज्ञ या वेतनभोगी प्रोफेशनल बना दिया है,जबकि बौद्धिक का अर्थ है जन चेतना को उभारने वाला वह व्यक्ति है जो अपने समय के तनावों और जटिलताओं से वाकिफ हो; जो समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाता हो। सईद ने कहा कि यह कार्य एक गैर - विशेषज्ञ कार्य है जो प्रोफेशनल डिस्प्लिन के बैरियर को तोड़ता है। सईद ऐसे विचारक थे जो अपनी सोच से व्यक्ति, समाज और समाज विज्ञान की पूर्व धारणा को खारिज कर नई शकल प्रदान करते हैं। भारत में भी इस तरह के विमर्शों की एक शुरुआत हुई है जिसमें कई पब्लिक इंटेलेक्चुअल्स ने अपनी भागीदारी की है लेकिन एक तबका ऐसा भी है जो इंटेलेक्चुअल्स को अध्ययन अध्यापन तक सीमित रहने की वकालत करता है जिनकी जनांदोलनों को लेकर एक खास तरह की कंडीशनिंग है जो अलग किस्म के पूर्वाग्रह से ग्रसित है। चंद पब्लिक इंटेलेक्चुअल जो अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं उन्हें यह तबका और मीडिया अलग अलग तरह से टारगेट करता रहता है।

मीडिया की भूमिका को लेकर एडवर्ड सईद की 1981 में प्रकाशित किताब 'कवरिंग इस्लाम : हाउ मीडिया एक्सपर्ट डिटर्मिन' की चर्चा की जाना लाजमी है। जिसमें सईद लिखते हैं कि कैसे अमेरिकी मीडिया इस्लाम की छवि को गढ़ता है और इस्लाम को आतंकवाद का पर्याय बनाकर पेश करता है। सोलह वर्ष बाद 1997 में इस किताब का विटेंज संस्करण भी प्रकाशित हुआ है। सईद लिखते है कि अमेरिकी और पश्चिमी मीडिया में इस्लाम और मुसलमानों की अतिशयोक्तिपूर्ण और शत्रुता से भरी छवियों का निर्माण किया जाता है क्योंकि पश्चिम में अपने से अलग 'अन्य' से पेश आने के अलग तौर

साल जुड़वा, तिड़वा या चौड़वा गड्ढों को पैदा करने का हुनर रखती है। ऐसा लगता है जैसे सड़क निर्माण विभाग ने इसे कमर दर्द वाले किसी पहलवान को उपहार में दिया हो। जहां देखो, वहां गड्डे ही गड्डे। असल में, गड्ढों ने इतने बड़े रूप धारण कर लिए हैं कि अब सड़कों पर चलने के लिए ड्राइवर से पहले तैराकी का सर्टिफिकेट मांगना चाहिए।

कुछ वर्ष पूर्व एक समय जब विकास की ओढ़नी उड़ रही थी, जब नई-नई सड़कें बनी थी, तब सड़कें सीधी होती थीं, सपाट होती थीं। लेकिन अब तो सड़कें किसी पहड़ी यात्रा का अनुभव कराती हैं। गाड़ी चलाते समय आपको ये अनुभव होता है, जैसे आप ऑफ-रोडिंग कर रहे हों। लगता है कि सरकार

ने सड़कों पर साहसिक-पर्यटन को बढ़ावा देने का बीड़ा उठा लिया है। यहा तक कि गर्भवती महिलाएं अगर इस सड़क से गुजरें, तो डॉक्टर की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। मोहल्ले के लोग कहते हैं, 'जिन सड़कों से गुजरो, वहां गड्डे खुद ही बच्चे को समय से पहले जन्म दिलवा देंगे।' प्रसव के लिए अस्पताल जाने की जरूरत ही नहीं रहेगी। बस अपनी गाड़ी लो और गड्ढों से भरपूर सड़कों पर घूम आओ, उदरस्थ-शिशु रोलर-कोस्टर का आनंद लेने अपने आप दुनिया में आ जाएगा। यही तो है 'प्राकृतिक प्रसव' का नया सरकारी तरीका !

अक्सर लगता है कि ये सड़कें प्रसव पीड़ा का आधुनिक प्रतिरूप हैं-हर गड्ढा एक नई पीड़ा, हर झटका एक नया अनुभव। और इन सड़कों पर गाड़ी चलाना मतलब बिना डॉक्टर के प्रसव पीड़ा में खुद को झोंक देना।

वीथिका

जनचेतना के बुद्धिजीवी- एडवर्ड सईद

भाषा को लेकर भी सईद के चिंतन में एक अलग तरह की छपटाहट दिखाई देती है,वे कहते हैं कि मेरा व्यक्तित्व अरबी और अंग्रेजी के बँटा हुआ था। सईद कहते है कि मुझे नहीं पता कि मेरी पहली भाषा कौन सी है, लेकिन ये अवश्य है कि दोनों ही भाषाएं मेरे जीवन में साथ-साथ रही हैं और एक भाषा में दूसरी भाषा की प्रतिध्वनियां गुंजती रही हैं – कभी विडंबनात्मक रूप में, कभी नॉस्टेलजिया के रूप में। 1948 में जब इजरायल राष्ट्र का गठन हुआ तो सईद 12 वर्ष के थे। इस राष्ट्र के गठन से हजारों फिलिस्तीनी परिवारों को अपनी जड़ जमीन से विस्थापित होना पड़ा इनमें एक सईद का परिवार भी था। सईद का बचपन लेबनान और मिस्र में बीता। उनकी प्रारंभिक शिक्षा मिस्र में हुई जिससे पढ़ाई में निपुण होने के बाद भी वे औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली और उसकी संस्कृति के साथ मेल नहीं बिठा पाए।

तरीकें हैं। अमेरिका में अनेक नीति निर्धारण के मसलों और मीडिया में होने वाली बातचीत खासकर समाचार कार्यक्रमों और 'टॉक शो' में इस्लाम केंद्रीय विषय बन गया है और तथाकथित विशेषज्ञों की एक फौज तैयार की गई है, जिसका कार्य इस्लाम और इस्लामिक देशों की एक फार्मूलाबद्ध छवि को गढ़ना है। इस्लाम के बारे में इनके द्वारा दुर्भावनापूर्ण और द्वेष से भरे सामान्यीकरणों में मुस्लिम जहन,चरित्र,समाज और संस्कृति की जिस प्रकार से अवमानना की जाती है वह पश्चिम के सहज बोध में आज स्वीकार्य रूप ले चुका है,परिणामस्वरूप



पश्चिमी मीडिया इस्लाम को अपना मुख्य दुश्मन मान चुका है। इसके साथ इस्लामिक संस्कृति का लगातार सरलीकरण किया जाता है, उसे कुछ खास नियम कायदों, रीति रिवाजों,धार्मिक विश्वासों, घिसी पिटी छवियों में सीमित कर दिया जाता है। इसके बाद हर नकारात्मक तथ्य को इस्लाम के साथ जोड़ दिया जाता है फिर चाहे वह हिंसा हो या उनकी पुरातनपंथी जीवन शैली या रूढ़िवादिता हो। पश्चिमी देशों की मीडिया ने जिस तरह से इस्लाम और इस्लाम के अनुयायियों की छवि का निर्माण किया है लगभग इसी तरह के प्रभावों को हम भारत और भारतीय मीडिया के संदर्भ में देख सकते है। अमेरिका या पश्चिमी मीडिया ने ही इस्लाम या मुसलमानों की छवि को नहीं गढ़ा है वरन हाल के कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया ने भी एक अन्य की तरह के मुसलमानों, अल्पसंख्यकों, राजनीतिज्ञों,शिक्षकों,छात्रों,दलितों और महिलाओं की छवि को गढ़ने का निरंतर प्रयास किया है,जो सत्ता की विचारधारा से मेल नहीं खाते है। विभिन्न आतंकवादी हमलों और हिंसक घटनाओं में भी इस्लाम से संबंधित लोगों को खोजा जाता रहा है,जबकि हिंसा का संबंध किसी खास संप्रदाय, धर्म, जाति या वर्ग से न होकर

व्यक्ति की व्यक्तिगत हिंसक प्रवृत्ति से होता है जो किसी भी धर्म, संप्रदाय,जाति के व्यक्ति में हो सकती है, लेकिन मीडिया अपने एजेंडे के तहत हिंसक घटनाओं या आतंकवादी गतिविधियों को संप्रदाय,धर्म से जोड़कर मीडिएट करने की लगातार कोशिश करती रहती है। मीडिया के मार्फत खासकर उन लोगों पर भी निशाना साधा जाता रहा है जो अल्पसंख्यकों और वंचित तबकों के हक में आवाज बुलंद करते हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों की राष्ट्र विरोधी छवि को गढ़ने का कार्य,पिंजरा तोड़ आंदोलन की छात्राओं के खिलाफ दुष्प्रचार करने का कार्य,कोरोना काल में तबलीगी जमात और मुसलमानों को महामारी फैलाने के लिए जिम्मेदार ठहराने वाले कार्यक्रम इन समाचार वाचकों के द्वारा ही संचालित किए गए थे । एडवर्ड सईद की किताब 'कवरिंग इस्लाम : हाउ मीडिया एक्सपर्ट डिटर्मिन' जो अमेरिकी मीडिया और पश्चिमी मीडिया के संदर्भ में लिखी गई थी।

भारतीय मीडिया में भी विगत कुछ वर्षों से यही सब परिलक्षित होता दिखाई दे रहा है। आज एडवर्ड सईद की पुण्यतिथि पर हम उनकी किताब का संदर्भ लेते हुए मीडिया पर विमर्श कर रहे हैं जो अत्यंत आवश्यक है। एडवर्ड सईद 1997 में पहेली बार भारत भ्रमण पर आए थे तब वे ल्यूकेमिया से ग्रसित थे और कीमोथेरेपी की वजह से काफी कमजोर और बीमार महसूस कर रहे थे लेकिन भारत में हर जगह जिस गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया और मान सम्मान दिया गया उससे वे अभिभूत थे। खासकर उच्चस्तरीय विचार विमर्श और संवाद से वे अधिक प्रभावित थे जो छात्रों,शिक्षकों और पत्रकारों के द्वारा उनके साथ किया गया था । इसके लिए वे कहते है कि मैंने बहुत कम मौकों पर इस तरह के प्रखर संवादों का अनुभव किया है। एडवर्ड सईद की यह टिप्पणी हम सभी भारतीयों के लिए काफी महत्वपूर्ण व गौरवान्वित करने वाली है कि हमारे यहां एक ओपन पब्लिक स्फियर हुआ करता था। दमयंती दत्ता द्वारा एडवर्ड सईद का 1997 में एक साक्षात्कार लिया गया था जो 'द टेलीग्राफ' में प्रकाशित हुआ था। जिसमें उनसे एक प्रश्न पूछा गया था कि एक शिक्षक, सक्रिय लेखक और सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता इन तीनों भूमिकाओं में आप सामंजस्य किस प्रकार स्थापित करते हैं और कौन-सी भूमिका आपको सबसे ज्यादा सुखद लगती है ? एक शिक्षक होना आपके लिए क्या मायने रखता है ? इसके जवाब में एडवर्ड सईद कहते है कि मेरे ख्याल से शिक्षक की भूमिका। मुझे पढ़ाते हुए

करीब चालीस बरस हो गए। छात्रों की मौजूदगी के बगैर जब भी कुछ पढ़ता या सोचता हू तो ऐसा कुछ होता है, जो मुझे रास नहीं आता और मैं ऐसी स्थिति से बचना चाहता हूं। यही वजह है कि कक्षाएं लेना मेरे लिए बंधा बंधाया रूटीन नहीं बल्कि नित नयी खोज और सीखने का अनुभव रहा है। प्रतिक्रियाओं के लिए मैं बहुत ज्यादा अपने छात्रों पर निर्भर करता हूं । शुरुआती दिनों में जब मैंने पढ़ाना शुरू किया था, मैं जरूरत से ज्यादा तैयारी करता था। कक्षा के एक एक सेकंड की योजना बनाता था। पर बाद में कोलंबिया में मुझे इतने असाधारण छात्र मिले कि मुझे लगा कि छात्रों के विचार मुझमें सोच और चर्चा के स्तर पर ऐसी उत्तेजना भर सकते हैं,जिसकी पहले मैंने कल्पना नहीं की थी। जो मेरे लेखन का हिस्सा बन जाते हैं। एडवर्ड सईद के लिए शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है जिसमें लगातार सीखते रहने की संभावनाएं हैं बशर्ते आपने खुद उन संभावनाओं को खत्म न किया हो। संवाद की इस प्रक्रिया में लगातार वाद,विवाद और संवाद होते हैं जो एक दूसरे को खूब की बारीकियों को जानने समझने के लिए प्रेरित भी करते हैं। संवाद की यह प्रक्रिया अनवरत जारी रहने वाली प्रक्रिया है जो समाज को सही मार्ग पर ले जा सकती है लेकिन वर्तमान समय में इस संवाद की पूरी प्रक्रिया को व्यवस्था विरोधी करार दे दिया गया है। संवाद की इस इकरतरफा प्रक्रिया को बढ़ाने में मीडिया के चैनल्स और एंकरों ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिसमें उनके द्वारा प्रसारित सूचनाएं ही परम सत्य है जिस पर वाद विवाद और संवाद के सभी रास्ते बंद हो गए । इस इकरतरफा संवाद की प्रक्रिया से समाज में लगातार सहिष्णुता का ह्रास हो रहा है। हाल की साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाओं से, छोटे बच्चों के जहन में भरी हिंसा के फलस्वरूप हो रही घटनाओं की जिम्मेदारी भी इन्हें लेनी होगी, जिससे इनके द्वारा लगातार पछा झाड़ा जा रहा है। इस पर हर नागरिक को सवाल पूछना चाहिए और देश में साम्प्रदायिक सौहार्द और सहिष्णुता को क्षति पहुंचाने वाले कार्यक्रमों का बहिष्कार करने चाहिए। स्वतंत्रता के पूर्व औपनिवेशिक काल में जिस तरह से मीडिया दो खेमों में बंटा हुआ था, आज भी कमोबेश वही स्थिति है,एक सत्ता समर्थक और दूसरा सत्ता विरोधी। जो सरकार से सरकारी प्रणाली पर सवाल करता है जो लोकतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए आवश्यक है यही प्रतिरोधी पक्ष मीडिया का सच्चा और वास्तविक चरित्र है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में पब्लिक इंटेलेक्चुअल्स को अगर देखा जाए तो जन्मरोकार को लेकर चंद इंटेलेक्चुअल्स ही है जो अपने कफर्ट जोन से बाहर निकलकर जनता के अधिकारों की लड़ाई में शामिल हैं। उनके इस जज्बे को सलाम जो आज भी पब्लिक इंटेलेक्चुअल्स (टर्म) पद की गरिमा को बचाए हुए है इसलिए ऐसे समय में सईद को पढ़ना और याद करना अनिवार्य हो जाता है।

गड्ढों की प्रसव पीड़ा

भारत के हितों की अनदेखी, सिंधु जल संधि को बदलने का वक्त

(गंगाधर ढोबले)

जब भूगोल पानी और पहाड़ों की सरहदें बनाता है, तब इतिहास घटता है और इतिहास के घटने के साथ भूगोल भी बदलता रहता है। इसका सबूत है पिछले 75 वर्षों से किसी न किसी रूप में चल रहा सिंधु जल विवाद। इसकी जड़ में है भारत का विभाजन। यह विभाजन पाकिस्तान की कटुता और शत्रुता की बुनियाद पर हुआ है। इससे सिंधु का गौरवशाली इतिहास मटियामेट हो गया। कभी वैदिक काल (ईसा पूर्व 1500 से 500 वर्ष) में वेदों की रचना करने वाले सिंधु के तटों ने सिकंदर (ईसा पूर्व 233 वर्ष) से लेकर मुगलों, अंग्रेजों से होकर नेहरू तक, कई रणसंग्राम और राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे। यह सिलसिला आज भी कुछभिन्न रूप में चल रहा है और शायद आगे भी चलता रहेगा।

भारत की चिंता: इस पृष्ठभूमि का ताजा संदर्भ है सिंधु जल संधि पर नए सिर से वार्ता की भारत की मांग। भारत की चिंता के मुख्य विषय हैं- इस परिक्षेत्र में बढ़ती आबादी, पाकिस्तान से निरंतर आता आतंकवाद, जल बंटवारे में भारत के प्रति अन्याय, विवाद की स्थिति में फैसले के प्रावधान समय के अनुरूप बनाना, पर्यावरण की समस्या और स्वच्छ ऊर्जा के विकास को बढ़ावा देकर कार्बन उत्सर्जन को कम करना।

पाक प्रायोजित आतंकवाद: उरी में भारतीय फौजी ठिकाने पर हुए आतंकी हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था, 'सिंधु में जल और खून एक साथ नहीं बह सकते।' केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सिंधु का पानी बंद करने की चेतावनी दी थी। ऐसे जल-अस्त्र का प्रयोग संभव है, क्योंकि फिरोजपुर हेडवर्क जैसी सतलुज का पानी उलीचने वाली परियोजना प्रवाह के ऊपर की दिशा में है, जबकि पाकिस्तान का हुसैनीवाला हेडवर्क जैसी परियोजना प्रवाह की निचली दिशा में। भारत ज्यादा पानी उठा ले या प्रवाह को रोककर कहीं और मोड़ दे, तो पाकिस्तान के प्रॉजेक्ट टप पड़ जायेगे।

असमान बंटवारा: वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में 1951 से लेकर 1959 तक दोनों देशों के बीच चर्चाओं के दौर चले थे। अंत में 19 सितंबर 1960 को कराची में संधि हुई। सिंधु जल क्षेत्र में कुल छह नदियां हैं। इनमें पश्चिम की सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान को मिलीं, जबकि पूरब की सतलुज, ब्यास और रावी भारत के हिस्से में आईं।

भारत ने भी दिया अंशदान: पाकिस्तानी इलाके की नदियों का लगभग 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान के हिस्से में आया, जबकि भारत को 20 प्रतिशत मिला। पूरब की नदियों का 70 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को और केवल 30 प्रतिशत पानी भारत को मिला। 6 नदियों को मिला दिया जाए तो लगभग 75 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को और केवल 25 प्रतिशत भारत को मिला। यही नहीं, पाकिस्तान के पंजाब इलाके में जल परियोजनाओं के लिए वर्ल्ड बैंक के साथ भारत ने भी 6 करोड़ 20 लाख पाउंड का अंशदान दिया।

बदलाव का वक्त: संधि का समय ध्यान में रखने लायक है। संसद सत्र 9 सितंबर 1960 को खत्म हुआ और इसके 10 दिन बाद संधि पर हस्ताक्षर हुए। 30 नवंबर 1960 को संसद के अधिवेशन में इस पर जबरदस्त हंगामा हुआ। जयप्रकाश नारायण, आचार्य नरेंद्र देव, राम मनोहर लोहिया और अटल बिहारी वाजपेयी समेत कई विपक्षी सदस्यों ने सरकार से पूछा कि क्यों भारत के हितों को तिलांजलि दी गई? तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू का जवाब था कि 'मानवीयता के आधार' पर पाकिस्तान को रियायत दी गई। इस अन्याय को छोड़ने का समय अब आ गया है।

वर्तमान विवाद: 2005 में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की किशनगंगा और रतले जल विद्युत परियोजनाओं की डिजाइन पर आपत्ति उठाई थी। किशनगंगा नदी को पाकिस्तान में नीलम कहा जाता है। किशनगंगा नदी के कब्जे वाले कश्मीर और भारत की अस्थायी सरहद है। भारत का कहना था कि यदि कोई विवाद हो तो संधि में मौजूद चार विकल्पों का एक-एक कर इस्तेमाल किया जाए।

चार विकल्प: पहला विकल्प है, स्थायी सिंधु जल आयोग के समक्ष विवाद पेश करना, दूसरा- वर्ल्ड बैंक द्वारा नामित नटस्थ विशेषज्ञ से सलाह लेना, तीसरा- वर्ल्ड बैंक को फैसले के लिए मामला सौंपना और चौथा विकल्प है- स्थायी 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्राज' गठित करना। भारत चाहता था कि पहले तीन विकल्पों का इस्तेमाल होने के बाद ही अंतरराष्ट्रीय कोर्ट तक पहुंचा जाए। माना जाता है कि दोनों पक्ष 'टटस्थ विशेषज्ञ' पर लगभग सहमत हो गए थे, लेकिन 2016 में पाकिस्तान ने 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' की मांग कर दी और मामला उलझ गया।



छोटे से गांव के किसान का बेटा बना अग्निवीर

रोहित खड़के का भारतीय सेना में सेवा देने का सपना हुआ पूरा

बैतूल। आठनेर तहसील के ग्राम वडली के रहने वाले रोहित खड़के, जो कि निम्न-मध्यम वर्ग के परिवार से आते हैं, इनके पिताजी किसान है। आज अग्निवीर के टेक्निकल की परीक्षा के परिणाम घोषित हुए है, जिसमे रोहित खड़के भारतीय सेना में अग्निवीर के लिए चुने गए है। परीक्षा पास होने पर परिवार में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने रोहित को बधाईयां भी दी। बेटे के चयन पर रोहित के पिताश्री माखन खड़के बहुत खुश है। उनका कहना है कि आज मेरे बेटे ने गांव का ही नहीं मेरा भी नाम रोशन किया है और इसी तरह आगे भी करता रहे, यही कामना करता हूं। रोहित खड़के ने बताया कि 3 साल से वह प्रयास कर रहा था इसके बाद एग्जाम दिया और आज परीक्षा परिणाम आने पर पास हो गया। मैं शुरू से ही भारतीय सेना में शामिल होने का सपना देखता था जो आज पूरा हो गया है।

वेतन विसंगति को लेकर वन एवं वन्य प्राणी संघ की हुई बैठक

बैतूल। सोशल मीडिया के जरिए वेतन विसंगति की भ्रामक जानकारी फैलाने से वन कर्मचारियों में ऊहापोह की स्थिति निर्मित हो गई है यही वजह है कि इस पर मिल बैठकर चर्चा और उसका निराकरण पर वन एवं वन कर्मचारियों के संघ की जिला इकाई ने एक बैठक वन विद्यालय में आहूत की गई। बैठक का मुख्य विषय

कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों पर चर्चा कर आगामी समय में वेतन विसंगति को दूर करने हेतु क्या उपाय किए जाए इस संबंध में सभी कर्मचारियों द्वारा विचार विमर्श किया गया। संघ के जिला अध्यक्ष आकाश प्रधान ने बताया कि सोशल मीडिया पर वेतन विसंगतियों को लेकर जो भ्रमित जानकारी फैली हुई है, बैठक के दौरान चर्चा उपरांत यह निर्णय लिया गया कि अपने वृत्त स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा की जाएगी यदि कोई 'वेतन विसंगति जैसी बातों निकलती है या कोई आदेश जारी किया जाता है। जो कि आज दिनांक तक नहीं किया गया हो तो अधिकारियों को साथ लेकर भोपाल स्तर पर संघ द्वारा अपने अधिकार के लिए नियमानुसार कार्यवाही कि जावेगी। इसके उपरांत समस्या का निराकरण नहीं होने की दशा में सभी कर्मचारी न्यायालय की शरण में जाने हेतु स्वतंत्र होंगे।

पोषण प्रदर्शनी के माध्यम से दिया स्वस्थ रहने का संदेश



बैतूल। महिला बाल विकास बैतूल शहरी के कृष्णा वार्ड भाग 8 में आंगनवाड़ी केंद्र पर तिलक, कृष्णा और मोती वार्ड की कार्यकर्ता और सहायिका द्वारा एक पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से मोटे अनाज और एनीमिया से बचने के उपायों पर जोर दिया गया। विभागीय पर्यवेक्षक रूपा मिश्रा, राखी ज्ञानचंदानी, और गुनता उर्दके ने प्रदर्शनी में उपस्थित महिलाओं को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के महत्व पर जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि किस प्रकार दैनिक भोजन में पोषण की मात्रा बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। इस अवसर पर प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की पौष्टिक रसिपी तैयार की गई, जो महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी हो सकती हैं। वार्ड की कई महिलाएं इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित रही और उन्होंने प्रदर्शनी के दौरान साझा की गई जानकारीयों का लाभ उठाया।

तवा टू कोयला खदान परिसर में झाड़ियों के बीच कामगारों को दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल



बैतूल। सारणी पाथाखेड़ा कोयला खदान तवा टू के परिसर में सीडीएस एवं बिल सेक्सन आफिस के बीच झाड़ियों में बीती रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे कोयला कामगारों को तेंदुआ दिखाई देने से हड़कूप है। तेंदुआ झाड़ियों में घात लगाए बैठ हुआ था। कामगारों के शोर मचाने और टाच की रैशनी देख तेंदुआ वहां से भाग निकला। जिसका वीडियो कामगारों द्वारा बनाया गया। तेंदुए के देखे जाने से कामगारों के बीच दहशत का माहौल है। गनीमत रही की कामगारों की नजर तेंदुए पर पड़ गई और समय रहते वे सतर्क हो गए।

विद्युत कटौती शेड्यूल जारी

बैतूल। मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बैतूल शहर जोन-1 के द्वारा 25 सितंबर को 11 केवी कालापाठा फीडर का मेटेनंस कार्य किया जाना है। कंपनी के प्रबंधक ने बताया कि मेटेनंस कार्य के चलते बुधवार को प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक कालापाठा फीडर के लोहिया वार्ड, चुन्नी ढाना, राजेंद्र वार्ड, सविल लाईंस, संजय कॉलोनी, मुर्गी चौक, शिवाजी वार्ड, स्वीपर कॉलोनी, जेएच कॉलेज रोड, धुनी वाले दादाजी के आसपास के क्षेत्र में विद्युत सप्लाई बंद रहेंगी।

भारत विकास परिषद ने किया गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान



गुरु वंदन-छत्र अभिनंदन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बैतूल। छत्रपति शिवाजी विद्या मंदिर बैतूल में भारत विकास परिषद की बैतूल शाखा द्वारा गुरु वंदन छत्र अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिषद के सदस्यों और विद्यार्थियों ने स्कूल के शिक्षकों को तिलक लगाकर, पुष्पहार पहनाकर, नारियल भेंट कर एवं उनके चरण ब्रूकर आशीर्वाद प्राप्त

किया। परिषद के सदस्यों ने विद्यार्थियों को भी तिलक लगाकर सम्मानित किया और उन्हें पेन व पेंसिल भेंट की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन और राष्ट्राना के साथ हुआ। परिषद के उपाध्यक्ष युवराज मालवीय श्री गौड़ द्वारा भारत विकास परिषद का परिचय दिया गया। परिषद के सचिव आशीष पचौरी ने बच्चों को इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य समझाते हुए बताया कि भारत विकास परिषद किस प्रकार से गुरु वंदन छत्र



अभिनंदन का आयोजन करता है। इस अवसर पर मेडिकल कैप प्रभारी डॉ. राकेश मालवीय ने स्कूल के प्राचार्य सुखदेव कवडकर का सम्मान किया। वहीं, प्रांतीय रक्तदान एवं नेत्रदान प्रभारी प्रकाश बंजारे ने परिषद द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रांतीय कार्यों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम का संचालन तुलिका पचौरी, नूतन जैन एवं प्रमिला धोत्रे द्वारा किया गया। महिला शिक्षिकाओं का सम्मान बिछो पवार और सपना दवडे द्वारा किया

गया। कार्यक्रम के अंत में बैतूल शाखा अध्यक्ष पी. आर. मारदे और कोषाध्यक्ष दिनेश पंडाग्रे ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य सुखदेव कवडकर, संध्या बड्डे, सरिता देशमुख, वैशाली भडलक, ममता बारस्कर, रुचिका येरपुडे, प्रियंका खातरकर, प्रेरणा झरबडे, वैशाली नलगे, उपासना राणे, माधवी विनोदकर, प्रतिभा जैन, आफरीन अली, गीता कोलते, नाजूनीन खान और तृप्ति सैलकरी उपस्थित रहे।

क्रिटिकल केयर यूनिट का 50 फीसदी से अधिक काम पूरा

बैतूल। जिला अस्पताल परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट का काम किया जा रहा है। अब तक इस यूनिट का काम आधे से अधिक पूरा हो चुका है। सब कुछ ठीक ठाक रहा तो अगले वर्ष में क्रिटिकल केयर यूनिट को सौगत मिल सकती हैं। यूनिट के बन जाने से गंभीर मरीजों को भी इलाज मिल पाएगा। जानकारी के मुताबिक जिला अस्पताल परिसर में करोड़ों की लागत से 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण किया जा रहा है। अब इस यूनिट का निर्माण कार्य 50 फीसदी से अधिक पूर्ण हो चुका है। यूनिट के बन जाने से गंभीर मरीजों को भी इलाज मिल पाएगा। सबसे पहले जो भी गंभीर मरीज आएंगे, उन्हें क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती किया जाएगा।

इस यूनिट में कई अत्याधुनिक मशीनें भी लगाई जाएंगी, जिसके कारण कई गंभीर मरीजों को उपचार मिल सकेगा। मेडिकल के क्षेत्र में जिले को कई तरह की सौगतां मिल रही है, लेकिन डॉक्टरों और अन्य स्टाफ की कमी के कारण परेशानियों से जूझना पड़ता है। बड़े-बड़े अस्पताल का निर्माण हो गया, लेकिन डॉक्टर और स्टाफ की कमी बनी हुई है। अब अस्पताल की व्यवस्था सुधारने के लिए अस्पताल को पीपीपी मॉड पर संचालित कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की कवायद चल रही है। पीपीपी मॉड के संचालन में क्रिटिकल केयर यूनिट की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

नहीं करना पड़ेगा गंभीर मरीजों को रेफर- अस्पताल परिसर में क्रिटिकल केयर यूनिट बन जाने के बाद इस यूनिट में गंभीर मरीजों को उपचार मिलेगा। वर्तमान में कई गंभीर मरीजों का भोपाल, नागपुर रेफर किया जाता है। इस यूनिट के बन जाने से रेफर की संख्या में भी कमी आएगी। संसाधन अच्छे होने के कारण गंभीर मरीजों को भी उपचार मिल सकेगा। खासकर गंभीर मरीजों के लिए ही यूनिट का निर्माण किया जा रहा है। जिस गति से निर्माण कार्य चल रहा है, उससे संभावना यह जताई जा रही है कि 2025 के शुरुआत के कुछ महीनों में ही यूनिट की शुरुआत हो जाएगी।

बरसते पानी में कर्मचारियों का आक्रोश मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने 25 मांगों के समर्थन में दिया ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी



बैतूल। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश व्यापी आह्वान पर 24 सितंबर 2024 को जिले के अधिकारी और कर्मचारी जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। कर्मचारियों के हितों को लेकर 25 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन जिला अध्यक्ष सचिन राय के नेतृत्व में सौंपा गया। बरसते पानी के बीच यह ज्ञापन कर्मचारियों ने अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में सौंपा, जिसमें प्रमुख मांगें वेतन में सुधार, प्रमोशन प्रक्रिया में तेजी और अन्य लाभों को लेकर थीं।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से राजेंद्र कटारे, संजय व्यास, हिरासिंह कुमरे, नितेश राठौर, प्रवीण नरवरे, अतुल आर्य, रवि सरनेकर, नीरज गलफट, भारतीय मजदूर संघ

के जिला अध्यक्ष पंजाब गायकवाड, अनिल गोस्वामी, प्रकाश देवड़े, संदीप राठौर, मुकेश सरयाम, सुरेंद्र आर्य, सुरेंद्र यादव, शंकर कहर, अरविंद ताववाड़े, बाली सरने, ज्ञानेंद्र शुकला, प्रवीण शर्मा, राजेंद्र मालवीय, सीरीज वर्मा, प्रीतम मरकाम, रीना इवने, राजेंद्र साहू, सनील पुष्पा, जयसवाल उर्मिला, मनी गिरी मेडम, तेजीलाल सुखचंद, प्रकाश देवल धुवें, भोजराज गुजरे, राजू आठनेरे, राजू मालवी, कैलाश चौहान शामिल थे। जिला अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संघ बैतूल, सचिन राय ने कहा कि यदि कर्मचारियों की न्यायसंगत मांगों पर शासन द्वारा कोई सकरात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो प्रदेश स्तर पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि कर्मचारियों की मांगों को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है, और इस बार कर्मचारी अपने अधिकारों की लड़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इस प्रदर्शन में शामिल अन्य कर्मचारियों ने भी अपने विचार प्रकट किए और मांग की कि कर्मचारियों के वेतन, प्रमोशन और सेवा शर्तों में सुधार के साथ अन्य सुविधाओं को लेकर त्वरित निर्णय लिया जाए। यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की प्रदेश इकाई के आह्वान पर आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारी एकत्रित हुए और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

वनभूमि पर अतिक्रमण का प्रयास नाकाम, आरोपी को 13 दिन की जेल

वन्य जीवों के आश्रयस्थल को नुकसान पहुंचाने पर आरोपी को 13 दिन की सजा



बैतूल। वन वृत्त के दक्षिण बैतूल (सामान्य) वनमंडल अंतर्गत ताप्ती परिक्षेत्र के रातामाटी बोट में वनभूमि पर अतिक्रमण का प्रयास करने वाले एक व्यक्ति को वन विभाग ने गिरफ्तार कर लिया है। कुछ ग्रामवासियों द्वारा कैम्पा वृक्षारोपण क्षेत्र में अवैध रूप से जुताई करके अतिक्रमण का प्रयास किया जा रहा था, जिससे वहां रोपित पौधों को भी नुकसान पहुंच रहा था।

वनसंरक्षक बैतूल, पी.एन. मिश्रा डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम ने सुझबूझ के साथ अतिक्रमणकारियों का विरोध किया और एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार कर लिया। घटना स्थल पर निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि वृक्षारोपण क्षेत्र में कोबरा और मोर का प्राकृतिक आश्रय है। वन विभाग की टीम ने सांप की केंचुल और मोर के टूटे अंडों को

आमला में दिव्यांगों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न

बैतूल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और एलिफो के द्वारा 23 सितंबर को जनपद पंचायत आमला में दिव्यांगजनों के लिए निशुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे एवं जनपद पंचायत आमला अध्यक्ष गणेश यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संजीत श्रीवास्तव, सुश्री रोशनी वर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बैतूल ब्लाक के प्रभारी अधिकारी उमेश मासोदकर, एलिफो जबरपुर के प्रभारी, डॉ.कमल नयन, विवके गुप्ता उपस्थित थे।

विधायक डॉ.पंडाग्रे ने सभी लाभार्थी दिव्यांगजनों को उपकरण देते हुए उनका पुष्पहार से स्वागत



किया। इस दौरान विधायक ने मोटराइज्ड ट्राई साइकिल के लाभार्थी दिव्यांगजनों को हेलमेट भी पहनाया। इसके अलावा उन्होंने लाभार्थी दिव्यांगजनों से मोटराइज्ड ट्राई साइकिल को समय-समय पर आवश्यकता अनुसार बैटरी चार्ज कर सावधानीपूर्वक चलने की समझाइश दी। जनपद पंचायत क्षेत्र

में कुल 5 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, सामान्य ट्राईसाइकिल 17, कान की मशीन-13, सुगम्य केन-01 (लाभार्थी आसाराम रहडवे), अस्थिबाधित- 12 वालकिन स्ट्रीक एवं 7 बैसाखी का वितरण किया गया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय संकेतिक भाषा दिवस भी मनाया गया।

गंज एवं पटेल वार्ड सदर के प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र में मिलेगी सरस्ती दवाइयां

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रविकांत उर्दके ने बताया कि गंज मस्जिद परिसर एवं पटेल वार्ड सदर में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र से सस्ते दामों में दवाइयां मिलेगी। उन्होंने बताया कि मरीजों को सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराये जाने हेतु प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र जिला चिकित्सालय बैतूल परिसर में प्रारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त बैतूल में मस्जिद कामलेखन यूनिटन बैंक के सामने गंज बैतूल एवं अड़लक मेडिकल के पीछे पटेल वार्ड सदर बैतूल में भी प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र खुले हुये है, जिनमें भी जैनरिक दवाइयां 50 से 90 प्रतिशत तक कम दामों पर उपलब्ध होंगी।

बैतूल। भारतीय जनता पार्टी जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे ने पिछले दिनों राहुल गांधी के आरक्षण पर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि आरक्षण हटा देने की धुन गांधी परिवार और कांग्रेस वाले जवाहरलाल नेहरू के समय से दोहरा रहे है। विदेश में जाकर अपने देश की बुराई करना इनका स्वभाव रहा है। नेहरू सरकार का उदाहरण देते हुए बताया कि 1956 में काका कालेलकर की रिपोर्ट खारिज कर दी गई जो पिछड़ा वर्ग की वकालत करती थी। 1661 में नेहरू ने आरक्षण से अक्षमता को बढ़ावा माना था। वहीं भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर को लोकसभा उपचुनाव में हराये का काम भी नेहरू ने ही किया था। इंदिरा गांधी ने भी आपातकाल लगाकर मंडल आयोग की बात को दफिनार किया। डॉ. पंडाग्रे ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि 1966 से 1977 तक संविधान



में 25 बार संशोधन हुआ जबकि 2014 के बाद केवल 8 बार संशोधन हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनुसूचित

जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रहे है। वहीं कांग्रेस के राजीव

गांधी ने 1990 की लोकसभा में आरक्षण का विरोध कर धर्म के आधार पर आरक्षण की वकालत की जो बाबा साहेब के संविधान के खिलाफ था। लोकसभा चुनावों में राहुल गांधी जिस संविधान की किताब को चुनाव प्रचार में इस्तेमाल कर रहे थे उसी संविधान के खिलाफ कांग्रेस का लंबा इतिहास है। आज मोदी जी के नेतृत्व में बाबा साहेब के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों के पंचतीर्थ के रूप में शामिल किया गया है। कांग्रेस संविधान को राजनीति के रूप में इस्तेमाल करती है जबकि भाजपा के लिए यह श्रद्धा और आस्था का केंद्र रहा है। विदेश में देश की छवि खराब किए जाने वाले राहुल गांधी के बयान की भत्सना हम करते है। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुवें, जनपद पंचायत बैतूल अध्यक्ष ईमरलाबाई जावलकर, नपध्यक्ष बैतूल पावती बारस्कर, जिला मीडिया प्रभारी सूर्यदीप त्रिवेदी विशेष रूप से मौजूद रहे।

मां नर्मदा नदी के तट रेवा बनखेड़ी में सफाई अभियान

सुबह सवेरे सोहागपुर

मप्र जन अभियान परिषद के तत्वावधान में सोहागपुर के समीपवर्ती ग्राम रेवा बनखेड़ी में मां नर्मदा नदी के तट सफाई अभियान चलाया गया। विकास खंड समन्वयक किशोर कडोले ने बताया कि गणेशोत्सव के उपरान्त गणेश विसर्जन के बाद



मूर्तियों के अवशेष या वहां पड़े हुए थे। उल्लेखनीय है कि रेवा बनखेड़ी नर्मदा नदी तट पर ही सोहागपुर एवं आस-पास के नागरिक प्रतिमाओं को विसर्जित करते हैं। विसर्जित मलवे ग्राम सचिव साहब पटेल,सभी मेंटर सचिन, श्याम मीना, गजेन्द्र ठाकुर, मंजू पवार, नवांकुर संस्था से नरेन्द्र सिंह, संदेश मिश्रा, कमलसिंह, छात्रा शिवानी,वर्षा,मेधा, छात्र सौरभ ,सुजल, सतीश, दीपक,श्रवण आदि उपस्थित होकर श्रमदान किया। इस श्रमदान से करीबन 2 ट्रेक्टर मलवा एकत्रित करके एक गड्ढे में डाला गया। एवं वहां की साफ सफाई की गई। इसी क्रम में छात्र छात्राओं ने 5,5 पोथे मंदिर परिसर में लगाए। इसी संदर्भ में एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

दुष्कर्म का इनामी अपराधी बैतूल से सोहागपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया

सुबह सवेरे सोहागपुर

सोहागपुर पुलिस ने दुष्कर्म,अपहरण के इनामी अपराधी को बैतूल से गिरफ्तार किया है। घटना का मुख्य आरोपी 11नई 24 से फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक ने इस आरोपी शंकर पटेल पर तीन हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। नगर निरीक्षक कंचनसिंह ने बताया कि अपराध क्रमांक 269/24 धारा 363,366 ए 376, 506 आईपीसी 16,17 ,3,4 पाक्सो एक्ट इजाफा धारा 3(1), डब्ल्यू (आई)3(2)(बी) वी)3(2) वीए एससी एसटी एक्ट के फरार आरोपी शंकर पटेल पिता प्रकाश पटेल उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राम रेवामुहरी को बैतूल से गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त अपराध में पूर्व में 06 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी शंकर पटेल को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। जेल वारंट बनने के उपरान्त आरोपी को जेल में दाखिल किया गया।

मुख्य भूमिका- इस फरार आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ने में एसडीओ पुलिस संजू चौहान, नगर निरीक्षक कंचनसिंह, उप निरीक्षक आकाशदीप पचाया, प्रधान आरक्षक प्रकाश सिंह चौहान, आरक्षक मनीष कपाले, आरक्षक गुरु प्रसाद आदि की मुख्य भूमिका रही।

पटैल को दी जान से मारने की धमकी

सोहागपुर। समीपवर्ती ग्राम नगतरा निवासी लक्ष्मीनारायण पटैल उर्फ लाखन पटैल को उसी ग्राम के नीलेश ने डंडे से मारपीट करके गंदे गंदे अपशब्द कहे। अपशब्दों से लक्ष्मीनारायण पटैल को बहुत अघात पहुंचा है। मारपीट से लक्ष्मीनारायण को हाथ में चोट लग गई। वहीं आरोपी ने फरियादी को जान से मारने की धमकी दी। सोहागपुर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

म.प्र. की अर्थव्यवस्था को प्रतियोगी बनाने एशियाई विकास बैंक देगा पूरा सहयोग : एडीबी कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका

एडीबी पिछले ढाई दशकों में प्रदेश के शानदार प्रदर्शन को देखते नये क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ायेगा आगे



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को प्रभावी और प्रतियोगी बनाने के लिये एशियाई विकास बैंक (एडीबी) पूरा सहयोग करेगा। इंडिया रेसीडेंट मिशन का नेतृत्व कर रही एडीबी की कंट्री डायरेक्टर सुश्री मियो ओका ने कहा कि पिछले ढाई दशकों में मध्यप्रदेश के शानदार प्रदर्शन और बढ़ती अर्थव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए विकास के नये क्षेत्रों में प्रदेश के साथ भागीदारी को और आगे ले जायेंगे। सुश्री ओका एशियाई विकास बैंक और मध्यप्रदेश विकास के क्षेत्र में परस्पर सहयोग की 25 साल की साझेदारी की वर्षगांठ पर भोपाल में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रही थी। उल्लेखनीय है कि एडीबी के वित्तीय सहयोग से विकास परियोजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए मध्यप्रदेश और एशियाई विकास बैंक की 25 सालों की सहभागिता पूरी हुई है। इस अवसर पर पिछले 25 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में एडीबी के निवेश पर केन्द्रित पुस्तिका भी लॉन्च की गई।

एडीबी और मध्यप्रदेश ने विकास के लिये परस्पर सहयोग को रेखांकित करने और भविष्य की रणनीति तय करने एक दिवसीय कार्यशाला में एडीबी और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एडीबी की सुश्री ओका ने कहा कि मध्यप्रदेश ने एडीबी के वित्तीय सहयोग का विकास परियोजनाओं को क्रियान्वयन में लोकाहित के लिये सकारात्मक उपयोग किया। भविष्य में इस सहयोग को जारी रखा जायेगा। सहयोग के नये क्षेत्र सामने आये हैं। एग््री-बिजनेस, स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, मानव संसाधन को कौशल सम्पन्न बनाने और सामाजिक अर्थो-संरचना एवं प्रबंधन को मजबूत करने जैसे नये क्षेत्रों में सहयोग की आवश्यकता होगी।

मां ज्यादा मत रोना, तबीयत खराब हो जाएगी

पत्नी की प्रताड़ना से परेशान होकर किया सुसाइड; लिखा- मेरी बच्ची को मुझसे दूर किया

जबलपुर (नप्र)। सब कुछ छीन लिया है, पूजा मौर्य के घर वालों ने, मेरा प्यारा सा बच्चा भी छीन लिया है, मेरे से तुम लोग कभी खुश नहीं रह पाओगे। मैं जा रहा हूँ,अपनी मर्जी से और अपनी खुशी से। खुश रहना... पूजा के घर वालों अपनी लड़की को विधवा बनाने का सपना पूरा हो गया। ये उस सुसाइड नोट के कुछ अंश हैं जो जबलपुर के बहना मोहल्ले में रहने वाले आनंद पटेल ने आत्महत्या करने से पहले लिखा।

कॉलेज के समय के दोस्त हैं आनंद-पूजा- दरअसल, आनंद अपनी पत्नी और संसुराल वालों से परेशान चल रहा था। रामपुर मांडवा बस्ती में रहने वाली पूजा मौर्य और आनंद पटेल स्कूल समय के दोस्त थे। कॉलेज में आने के बाद दोनों का अफेयर हुआ।

2017 में आनंद की शादी के लिए उसकी मां लड़की देख रही थी। जब पूजा को इसकी जानकारी लगी तो उसने आनंद के घर में जाकर जमकर हंगामा किया और फिर रामपुर पुलिस चौकी और गोरखपुर थाने में जाकर आनंद, उसकी मां, छोटे भाई और दो बहनों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।

शादी के बाद ही अलग रहने की जिद करने लगी पूजा- आनंद ने पुलिस को लिखकर दिया कि पहले वह अपनी बहन की शादी करेगा, उसके बाद पूजा से शादी करेगा। तब जाकर विवाद शांत हुआ। 2020 में आनंद ने अपनी बड़ी बहन की शादी की और 2021 में पूजा के साथ शादी कर ली। शादी के दो माह बाद ही पूजा सास और देवर से अलग रहने की जिद करने लगी, जिसके बाद आनंद की मां ने नीचे वाला घर आनंद और उसकी पत्नी को दे दी, ऊपर अपने छोटे बेटे हर्षित और



बहु के साथ रहने लगी। आनंद जिला अस्पताल की एक डॉक्टर की कार चलाया करता था, इसके साथ ही खाली समय में आयुष्मान कार्ड सेंटर में काम किया करता था। पूजा एक अस्पताल में प्राइवेट जॉब करती है। कुछ माह पहले आनंद का काम छूट गया, जिसके चलते वह घर पर ही रहने लगा। पति का काम छूट जाने के बाद पूजा ने उसे बेइज्जत करना शुरू कर दिया था।

मां अपना ख्याल रखना, ज्यादा मत रोना वनां तबीयत खराब हो जाएगी- आनंद ने छोड़े गए नोट में लिखा है... मैं बहुत ज्यादा परेशान हो चुका हूँ, अपनी जिंदगी से हर जगह से समस्या खड़ी हो जाती है, मैं सोचता हूँ कि मेरे परिवार वाले हमसे खुश रहें, हमेशा साथ में रहे पर ऐसा होता नहीं है। सबको अपने हिस्सा से चलना है। पूजा उर्फ आरती जो मेरी पत्नी है, वह बोलती है तुमने और तुम्हारे घर वालों ने मेरे लिए क्या किया है। मैं अपनी कमाई से घर चलाती हूँ और अपने बच्चे को पूरा करती हूँ, तुमने और तुम्हारे घर वालों ने

क्या किया है, मेरे लिए। जब देखो इस बात का ताना मारती है, मुझसे बोलती है कि बच्चे को तुमने पैदा नहीं किया है मैंने पैदा किया है, तुम्हारा इसमें अधिकार नहीं है। बच्चे पर सिर्फ मेरे परिवार का अधिकार है। जब देखो मुझसे ऊटपटांग बात करती है।

सब कुछ छीन लिया है, पूजा मौर्य के घर वालों ने, मेरा प्यारा सा बच्चा भी छीन लिया है, मेरे से तुम लोग कभी खुश नहीं रह पाओगे। मैं जा रहा हूँ,अपनी मर्जी से और अपनी खुशी से। खुश रहना... पूजा के घर वालों अपनी लड़की को विधवा बनाने का सपना पूरा हो गया। अब कुछ भी नहीं बचा मेरी जिंदगी में मेरे पास ना ही मेरी पत्नी है और ना ही मेरा बच्चा ना मेरा परिवार...मैं बहुत ज्यादा परेशान हो चुका हूँ। हार गया हूँ, अब मुझे नहीं जीना है। मेरे मरने से बहुत से लोगों की समस्या का निवारण होता है, तो मुझे मर जाना ही चाहिए जिसे सब लोग खुश हो जाएंगे। मैं अपनी मर्जी से मर रहा हूँ इसमें किसी भी व्यक्ति का हाथ नहीं है, मेरे मर जाने के बाद मम्मी-कूकू नाम पर कुछ कर देना। इस घर पर सिर्फ मेरी बेटी का हक है, उसकी मां पूजा मौर्य उर्फ आरती का नहीं। जो भी हैसिफ मेरी बेटी का रहेगा। मैं जा रहा हूँ, मां अपना ख्याल रखना और अच्छे से रहना, और मां ज्यादा मत रोना वनां तबीयत खराब हो जाएगी...

विवाद के बाद लगाई फांसी- श्रृंखवार की रात को पूजा और आनंद का जमकर विवाद हुआ। जानकारी लगते ही पूजा की बड़ी बहन और भाई भी उसके घर पहुंच गए, जहां पर कि बीच-बचाव किया गया। शनिवार की सुबह फिर से लड़ाई हुई, जिसके बाद पड़ोसियों ने हंगामे को शांत करवाया।

शक्ति केंद्र और बूथ केंद्र के पदाधिकारी होंगे एडजस्ट

ढाई हजार जल उपभोक्ता संथाओं के चुनाव की तैयारी तेज

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में बीजेपी के शक्ति केंद्र और बूथों के पदाधिकारियों को अगले दो माह में जल उपभोक्ता संथाओं में एडजस्ट किया जाएगा। ये कार्यकर्ता जल संसाधन विभाग की करीब ढाई हजार जल उपभोक्ता संथाओं में एडजस्ट होंगे। जल संसाधन विभाग ने इन संथाओं के चुनाव के लिए तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए सभी जिलों के कार्यपालन यंत्रियों से जानकारी मांगी जा रही है। जल संसाधन विभाग द्वारा प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले से पॉइंड जल उपभोक्ता संथाओं के अध्यक्ष व सदस्यों के निर्वाचन की तैयारी शुरू कर दी है। इन संथाओं के लिए मतदाता सूची तैयार कराने का काम फरवरी 2024 में किया है। इसके बाद विभाग ने कार्यपालन यंत्रियों और मुख्य अभियंताओं के माध्यम से जिलों में बनने वाली जल उपभोक्ता संथा और कार्यक्षेत्र बदलने वाली उपभोक्ता संथाओं के प्रस्ताव मांगे हैं। अभी यह प्रस्ताव सरकार तक नहीं पहुंचे हैं। इसलिए जल



संसाधन विभाग ने अक्टूबर तक नई जल उपभोक्ता संथा गठन की प्रक्रिया फाइनल करना तय किया है। **2400 संस्थाएं पहले से, 68 के प्रस्ताव एक बार आ चुके-** जल संसाधन विभाग के अफसरों के अनुसार प्रदेश में 2400 जल संस्थाएं पहले से काम में हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार वाहन ट्रक क्रमांक आरजे 14 जीजे 5224 में अवैध रूप से

संथाओं के कार्यक्षेत्र में बदलाव के प्रस्ताव भी आए थे जिसका नोटिफिकेशन 17 मार्च 2023 को हो गया था लेकिन तब नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार ने जल उपभोक्ता संथा के चुनाव टाल दिए थे। इन संथाओं के माध्यम से जल स्रोतों से नहरों के जरिये खेतों तक पहुंचाए जाने वाली पानी की निगरानी, जल कर वसूली और अन्य व्यवस्थाओं का काम किया जाता है।

इधर एक साल से फिर मांग रहे प्रस्ताव, जवाब नहीं- इधर जल उपभोक्ता संथाओं के चुनाव को लेकर विभाग के मैदानी इंजीनियरों की लारवाही भी सामने आई है। 2023 में चुनाव टटलने के बाद जल संसाधन विभाग के अफसरों ने पिछले एक साल में छह से अधिक बार पत्र लिखकर मुख्य अभियंताओं और जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्रियों से प्रस्ताव मांगने का सिलसिला जारी रखा है कि अगर कोई नई संथा बनाई जानी है तो उसकी जानकारी दें ताकि उसे निर्वाचन में शामिल किया जा सके लेकिन कोई जानकारी नहीं दी जा रही है।

गौवंश के अवैध परिवहन के मामले में तीन ट्रक एवं एक मिनी ट्रक को किया गया राजसात

गुना (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. सतेन्द्र सिंह द्वारा गौवंश के अवैध परिवहन के अलग-अलग प्रकरणों में 03 ट्रक एवं 01 मिनी ट्रक को शासन पक्ष में राजसात करने के आदेश जारी किये गये हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार वाहन ट्रक क्रमांक आरजे 14 जीजे 5224 में अवैध रूप से

21 नग गौवंश, वाहन ट्रक क्रमांक एमएच 48 टी 9814 में अवैध रूप से 17 नग गौवंश, वाहन अशोक लीलेण्ड ट्रक क्रमांक डीडी 01 जे 9593 में अवैध रूप से 26 नग गौवंश तथा वाहन मिनी ट्रक क्रमांक एचआर 38 व्ही 8295 में अवैध रूप से 22 नग गौवंश को अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाया गया।

भारत के भविष्य की स्वच्छता की पाठशाला

अशोक नगर (निप्र)। कलेक्टर श्री सुभाष कुमार द्विवेदी मार्गदर्शन में विगत 17 सितम्बर 2024 से सतत चल रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित पी आई यू गुना के तहत संचालित राजघाट बांध समूह जल प्रदाय योजना जनपद पंचायत इसागढ़ की क्रियान्वयन सहायक संस्था कम्युनिटी एक्शन फ्लूटोवेशन प्रोग्राम कैम्प द्वारा 139 ग्रामों में स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता की थीम को जन जन तक पहुंचाने हेतु जारी अभियान के तहत आज ग्राम अंघौरा दीवान, भैरगढ़, चंदन बेट्टा, सेमरखेड़ी, रहना, भौरा ग्रामों में स्कूल मे अथ्यनर भारत के भविष्य नौनिहालों के साथ उपस्थित जनसमुदाय के साथ स्वच्छता संगोष्ठी, सामुदायिक रेली व जल, स्वच्छता एवं पर्यावरण प्रबंधन की शपथ दिलाकर लोगों को प्रेरित व जागरूक किया ।



स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत हुआ सार्थक संवाद

सरपंच व सचिव बोले सूखा- गीला कचरा अलग-अलग करने के लिए ग्रामीणों को करेंगे जागरूक

ग्वालियर (निप्र)। जनपद पंचायत मुरार के सभागार में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत एक सार्थक संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत मुरार के अध्यक्ष श्री दिलराज किरार ने की। इस अवसर पर विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों ने अपने-अपने क्षेत्र में सूखा और गीला कचरा अलग-अलग करने और कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए जन जागरण अभियान चलाने की बात कही। सभी उपस्थित सदस्यों ने मिलकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और ग्राम पंचायतों में स्वच्छता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुरार के सदस्य, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर स्वच्छता के महत्व और इसके सकारात्मक प्रभावों पर चर्चा की। इस संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना और सामुदायिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।

स्वभाव में स्वच्छता-संस्कर में स्वच्छता के बारे में सहारन के सहरिया परिवारों को किया जागरूक

भितरवार जनपद पंचायत क्षेत्र के गाँवों में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के आयोजन में जन अभियान परिषद का भी सहयोग मिल रहा है। जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रसफ्टन समितियों तथा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्रों व परामर्शदाताओं द्वारा गाँव गाँव में स्वभाव में स्वच्छता, संस्कार में सोमवार को विकास खण्ड भितरवार की ग्राम पंचायत सहारन की आदिवासी कॉलोनी पर महिलाओं को स्वभाव में स्वच्छता व संस्कार में स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया।

बेटी को छू भी नहीं सकता था आनंद

मृतक आनंद के छोटे भाई हर्षित पटेल ने बताया कि भाभी इस कदर परेशान करती थी, कि वह अपनी बेटी को भी उससे बिना पूछे छू नहीं सकता था। काम छूट जाने के बाद भाभी भैया को बहुत ज्यादा प्रताड़ित करती थी। हर्षित का कहना था कि भैया-भाभी के बीच प्रॉपर्टी को लेकर विवाद होता था। भाभी चाहती थी कि मकान मेरे उनके नाम किया जाए। हर्षित ने बताया कि जरा सा विवाद होता था तो भाभी के मायके वाले घर आकर हंगामा करते थे।

श्मशान घाट पर भी हंगामा

आनंद की मौत के बाद सोमवार को जब अंतिम संस्कार के लिए ग्वािघाट मुक्तिधाम ले गए तब भी वहां पर पूजा मौर्य उर्फ आरती ने जमकर हंगामा किया। आनंद के भाई हर्षित के मुताबिक तीन घंटे तक भाभी भैया की बांडी के पास बैठी रही, परिवार और रिश्तेदार सभी उसे मनाते रहें पर वह नहीं हटी। हर्षित ने बताया कि हिंदू धर्म में छोटा भाई बड़े भाई को मुखांजित देता है, पर वह जिन पर अड़ी रही कि वह क्रिया-कर्म करेगी। तीन घंटे तक चले हंगामे के बीच ग्वािघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची, तब जाकर विवाद शांत हुआ।

पुलिस ने शुरु की जांच

गोरखपुर थाना पुलिस ने मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। सीएसपी एचआर पांडे का कहना है कि आनंद की मौत की जांच की जा रही है। उसके पास सुसाइड नोट मिला है, जिसमें पत्नी के द्वारा काम न करने पर टॉकर करने की बात लिखी गई है। सुसाइड नोट में यह भी लिखा है कि उसके नाम जो भी प्रॉपर्टी हो वो सिर्फ उसकी बेटू कूकू को होगी, ना कि उसकी पत्नी पूजा की। सभी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। प्रथमदृष्ट्या पत्नी पूजा उर्फ आरती मौर्य से प्रताड़ित होकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है, जांच की जा रही है।

बीजेपी विधायक ऊषा बोली-

बेटियों के रेपिस्ट का अंतिम संस्कार ना हो

भोपाल (नप्र)। मप्र में लगातार बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं सामने आ रही हैं। नाबालिग बेटियों के साथ लगातार बढ़ती रेप की घटनाओं को लेकर पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक ऊषा ठाकुर कहा-मेरी प्रार्थना है कि ऐसी छोटी बेटियों के रेपिस्टों को सार्वजनिक चौराहा पर फांसी पर लटकाया जाए और उनका अंतिम संस्कार भी नहीं किया जाए। चील-कौवे उन्हें नोच- नोच कर खाएं। जब ऐसी सजा पाते हुए दूसरे लोग देखेंगे तो छोटी बेटियों की तरफ वह हाथ बढ़ाने की हिम्मत भी नहीं कर पाएंगे।

रेप की घटनाओं से मनुष्यता तार-तार हो रही- भोपाल में अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में विधायक ऊषा ठाकुर ने कहा जो छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसको समाज का नैतिक उत्थान ही रोक सकता है। जब तक संस्कार का दुर्द्विकरण नहीं होगा, व्यक्ति में नैतिकता और सात्विकता नहीं होगी। तब तक इन बुराइयों से वह बच नहीं सकता। और कहीं ना कहीं समझ में भौतिकता के आधिक्य के कारण जो अध्यात्म की साधना की कमी आई है उसी की वजह से लोगों में यह दुष्प्रतियां और दुश्चिचार बहुत प्रबल होकर सामने दिखाई दे रहे हैं। इससे सामाजिक ताना-बाना मनुष्यता सब तार - तार हो रही है।



राइट क्लिक



अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के
वरिष्ठ संपादक हैं।
संपर्क:-
9893699939
ajaybokil@gmail.com

दबंगई की नई परिभाषा और अंतरजातीय संघर्ष के डरावने आयाम

इन दिनों जाति जनगणना, आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को खत्म कर इसे, बढ़ाने, एससी/वर्ग में भी क्रीमी लेयर लागू करने के सुप्रीम के हालिया फैसले के विरोध और समर्थन, 2011 की जनगणना में जाति गणना के आंकड़े तत्कालीन यूपीए 2 सरकार और बाद में मोदी सरकार द्वारा जारी करने से कत्री काटने तथा बिहार के नवादा में दलितों द्वारा महादलितों के घरों में आग लगाने के घटनाक्रमों को आपस में जोड़ कर देखें तो पता चलेगा कि देश अब जातियों के अंतर्संघर्ष के नए और डरावने दौर में प्रवेश कर गया है। इसका अंजाम कितना भयंकर होगा, इसे राजनीतिक दल समझ कर भी अनदेखा कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें केवल सत्ता हासिल करने से मतलब है। फिर चाहे वो किसी भी कीमत पर मिले।

पहले नवादा के अग्निकांड को समझें। अमूमन बिहार और अन्य राज्यों में दलित उत्पीड़न के लिए ऊंची और दबंग पिछड़ी जातियों को ही दोषी माना जाता रहा है। क्योंकि ज्यादातर संसाधनों पर इन्हीं जातियों का कब्जा रहा है। लेकिन बिहार के नवादा जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादलित टोला में हाल में दिनों महादलितों की जमीनों पर कब्जा करने के लिए उनके घर फूंकने के मामले में जो नया एंगल सामने आया है, वह जातीय संघर्ष के नए दौर और दबंगई की नई परिभाषा की ओर गंभीर इशारा करता है। इस घटना के बाद हो रहे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप को दरकिनार कर इसका का विश्लेषण करें तो इस दबंगई का मुख्य आरोपी नंदू पासवान है। जो स्वयं दलित समुदाय से है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक में अन्य 28 लोगों पर एफआईआर दर्ज की और 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दूसरा मुख्य आरोपी यादव समुदाय से है। जिन

लोगों के घर फूंक गए, वह रविदास और मुसहर महादलित समुदाय से आते हैं। संक्षेप में यह दबंग दलित द्वारा महादलितों पर अत्याचार का मामला है। बीजेपी ने इस अग्निकांड को ‘अंतर दलित संघर्ष’ की संज्ञा दी है। जबकि बाकी दल दलित अत्याचार से जोड़कर इसे बिहार में कानून व्यवस्था ध्वस्त होना बता रहे हैं। लेकिन जो घटा है, उसका सीधा अर्थ यही है कि जिसके पास जमीन है, अब वही दबंग है, यहां वह किस जाति का है, यह गौण है। यह पारंपरिक जातिगत दबंगई से अलग है। इसमें यह संकेत भी निहित है कि जैसे-जैसे वंचित समाज के पास जमीन और अन्य संसाधन आते जाएंगे, वह अपने ही वर्ग की दूसरी वंचित जातियों पर अत्याचार करने में संकोच नहीं करेगा। यह तो अभी शुरूआत है।

दूसरा संदर्भ सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल के अपने फैसले में आरक्षित वर्ग की अनुसूचित जाति और जनजातियों में ओबीसी की तरह क्रीमी लेयर लागू करने का फैसला है। मोदी सरकार ने इस फैसले के व्यापक विरोध के चलते उसे ‘सुझाव’ बताकर ठंडे बस्ते में डाल दिया है। लेकिन इसे कितने दिन दबाया जा सकेगा, यह देखने की बात है। इस संदर्भ में हमें यह भी देखना होगा कि यह विरोध किस वर्ग से हो रहा है। फैसले का विरोध मुख्यतः उन दलित और आदिवासी समुदायों की तरफ से हो रहा है, जो बीते 75 सालों में आरक्षण के चलते सबसे ज्यादा फायदे में रहे हैं। आरक्षण अब उनका जन्मगत हक बन चुका है। लिहाजा सुप्रीम कोर्ट का फैसला उन्हें अपने लाभ में खलल की तरह महसूस हो रहा है। दूसरी तरफ इस फैसले के पक्ष में भी आवाज उठने लगी है, हालांकि यह अभी बहुत मुखर नहीं है। पंजाब में मजहबी सिखों और वाल्मीकि समुदाय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है, जबकि रविदासिया दलित

इसके विरोध में है। इसका सीधा मतलब है कि आरक्षण से लाभान्वित दलितों और अपेक्षाकृत न्यूनतम लाभ पाने वाले दलित एवं लाभ से लगभग वंचित रहे महादलितों के बीच क्रीमी लेयर के विरोध और समर्थन को लेकर संघर्ष और तेज होगा।

अब जाति जनगणना, उसके आंकड़े जारी करने और तदनुसार आरक्षण की सीमा को बढ़ाने की बात। जाति जनगणना और आरक्षण की अधिकतम सीमा इन दिनों कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों के हॉट इश्यु है। माना जा रहा है कि अगले चुनावों में भाजपा को पटखनी देने का यह रामबाण नुस्खा साबित हो सकता है। हालांकि खुद भाजपा भी अब जाति जनगणना कराने के पक्ष में दिख रही है। लेकिन असली सवाल यह है कि जाति जनगणना कराने के बाद सामाजिक न्याय का संघर्ष क्या मोड़ लेगा? क्योंकि यह महज डेटा एकत्रित कर उसे जारी करने भर का मामला नहीं है। हाल में छपी एक मीडिया रिपोर्ट चौंकाने वाली है। अगर यह सत्य है तो अत्यंत विचारणीय है। इस रिपोर्ट के मुताबिक यूपीए- 2 में तत्कालीन मनमोहन सरकार ने 2011 में जाति जनगणना कराई थी। लेकिन इसमें देश भर की जातियों के जो आंकड़े सामने आए, वो देखकर सरकार के होश उड़ गए और उसने आंकड़े जारी न करने में भी भलाई समझी। यही काम मोदी सरकार ने भी किया। वजह ये थी कि 1931 की जनगणना में पहली बार जाति जनगणना में भारत में सभी धर्मों और समुदायों की कुल 4147 दर्ज की गई थीं। यह जनगणना भारत भर में फैली जातियों का एक बहुत मोटा वर्गीकरण रहा होगा। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर मंडल आयोग ने पिछड़ी जातियों को आरक्षण की सिफारिश की थी। लेकिन 2011 की जाति जनगणना में जातियों, उप जातियों

और उप जातियों की उप-उप जातियों उनके भी अलग-अलग समूहों आदि की कुल संख्या 46.80 लाख दर्ज की गई। अकेले महाराष्ट्र की 10.3 करोड़ आबादी में 4.28 लाख जातियां पाई गईं। इनमें से भी 1.17 करोड़ लोगों ने कहा कि उनकी कोई जाति नहीं है। अब अगर मोदी सरकार अगली जनगणना में जाति गणना भी शामिल करती है तो संभव है कि देश में जातियों की कुल संख्या 46.80 लाख को भी पार कर जाए। क्योंकि भारत में जातियों का मकड़जाल उनका अति सूक्ष्म विभाजन और उसकी गहराई कल्पनातीत है। अब सवाल यह है कि यदि देश में केवल जातियों को ध्यान में रखकर 100 फीसदी आरक्षण भी लागू कर दिया जाए तो करीब 47 लाख जातियों में से किसके हिस्से में कितनी नौकरियां और शिक्षा संस्थानों में सीटें आएंगी? जो आएंगी, उसका व्यावहारिक अर्थ क्या होगा? अगर इन जातियों को समूहों में बांट कर आरक्षण दिया जाता है तो भी सभी को सामाजिक न्याय दे पाने में सैंकड़ों साल भी कम पड़ेंगे। इसके अलावा किसी को कम किसी को ज्यादा लाभ के चलते जातीय विवाद और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता जानलेवा संघर्ष में भी बदल सकती है। जाहिर है कि जाति जनगणना और तदनुसार आरक्षण में हिस्सेदारी की मांग ऐसी आग से खेलना है, जिसका कोई अग्निशामक किसी के पास नहीं होगा। दूसरे, अगर सभी जातियों को आरक्षण देना है तो कोई न कोई फिल्टर तो लागू करना ही होगा। तीसरे, राजनीतिक स्वार्थों के चलते आरक्षण और अपनी अपनी जाति और समुदायों की संख्या के अनुपात में ही तमाम सुविधा और अवसरों की छीना झपटी देश को एक नई और अकल्पनीय अराजकता में झोंक सकती है, जिसके बारे में हमारे राजनेता सोचना भी नहीं चाहते।

5 और 9 साल की बच्चियों से रेप

हरदा में कुरकुरे दिलाने के बहाने ले गया आरोपी ; मुरैना में खून से लथपथ मिली मासूम

हरदा (नप्र)। मध्यप्रदेश में मंगलवार को मासूम बच्चियों से दुष्कर्म के दो मामले सामने आए। हरदा के सिराली में 5 साल की बच्ची नदी किनारे बेहोश मिली। परिजन उसे अस्पताल ले गए। यहां बच्ची से रेप का खुलासा हुआ। आरोपी उसे कुरकुरे दिलाने का कहकर ले गया था। इधर, मुरैना के अंबाह में 9 साल की बच्ची खून से लथपथ हालत में घर पहुंची। परिजन उसे गंभीर हालत में बाइक से अस्पताल लेकर पहुंचे।

हरदा में बच्ची से रेप, अस्पताल के सामने हंगामा, हाईवे पर चक्काजाम— हरदा के छीपाबडु में 5 साल की बच्ची से रेप के बाद नाराज लोगों ने सोमवार देर रात सिराली के सरकारी अस्पताल का घेराव कर दिया। आरोपी की गिरफ्तारी और घर पर बुलडोजर चलाने



की मांग को लेकर मंगलवार सुबह भी अस्पताल के सामने हंगामा किया। वहीं सेन समाज के लोगों ने नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे पर चक्काजाम कर दिया। दो घंटे से ज्यादा समय से प्रदर्शन चल रहा है। वे एसपी को बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। घटना से नाराज लोगों ने देर रात अस्पताल को घेराव किया। मंगलवार को भी प्रदर्शन किया।

बच्ची नहीं दिखी तो पिता ने तलाश की- परिजनों ने बताया कि गांव का सुनील बच्ची को कुरकुरे दिलाने का कहकर अपने साथ ले गया। पिता दुकान से लौटे तो बेटी नजर नहीं आई। उन्होंने आसपास तलाश की। देर शाम बच्ची गांव में नदी किनारे बेहोश मिली। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस बच्ची को खिरकिया अस्पताल लेकर पहुंची। यहां महिला डॉक्टर नहीं होने के चलते सिराली अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार का इनाम किया घोषित—छीपाबडु थाना टीआई मुकेश गोड़ ने बताया कि एसपी अभिनव चौकसे पूरे मामले को देख रहे हैं। आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस की पांच टीमों आरोपी की तलाश में जुटी है। जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। आरोपी एक महीने पहले ही जेल से छूटकर आया है। पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया है।

धीरेंद्र शास्त्री बोले—

वक्फ बोर्ड की तरह हिन्दू बोर्ड बने

बालाजी प्रसाद मामले में फिर दिया बयान ; कल

तुम्हारे घरों में भी पहुंचेगा मछली का तेल

खजुराहो (नप्र)। तिरुपति बालाजी के मंदिर में बाटे जाने वाले प्रसाद को बनाने में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल करने पर भोगेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने फिर मंगलवार को एक बार बयान दिया है। साथ ही हिंदू बोर्ड बनाने की मांग की है। शास्त्री ने कहा कि यदि धर्म विरोधियों के खिलाफ आज आवाज नहीं उठाई गई तो आने वाले समय में आप सबके घरों में मछली का तेल पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि आज देश धर्म विरोधियों और राष्ट्र विरोधी ताकतों से जूझ रहा है। हम सबको एकजुट होकर इसी का मुंहतोड़ जवाब देना है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के खिलाफ एक संयोजित पड़्यंत्र चल रहा है। धर्म विरोधी ताकत से लोगों का धर्म भ्रष्ट करने में लगी है। लेकिन ऐसी ताकतों को हम सब मिलकर कामयाब नहीं होने देंगे। जिन लोगों ने तिरुपति बालाजी का प्रसाद लिया है वह नौ दिनों तक प्रायश्चित्त करें तो बेहतर होगा ताकि उनका भाव पवित्र हो सके।

सनातन हिंदू बोर्ड की हो स्थापना— धीरेंद्र शास्त्री बोले- हमने सुना है कि हमारे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री जैन बोर्ड बनाने की चर्चा कर रहे हैं तो हम भारत सरकार से निवेदन करते हैं कि जब वक्फ बोर्ड हो सकता है तो सनातन हिंदू बोर्ड क्यों नहीं हो सकता है। मंदिरों को उनके अधीन करके पड़्यंत्र रचने वालों के ऊपर लगाम लगाई लगाई जाए। हम हिंदू बोर्ड की मांग करते हैं।

ट्रक ने ऑटो को रौंदा, 7 की मौत

5 लोग एक ही परिवार के, 3 घायल जबलपुर रेफर ; नशे में था ट्रक ड्राइवर



दमोह (नप्र)। दमोह के देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव के आगे बांदकपुर रोड पर ट्रक ने आगे जा रहे ऑटो को टकरा मार दी। हादसे में मृतकों की संख्या 4 से बढ़कर 7 हो गई है। घटना में तीन लोग घायल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि ऑटो में कुल 10 लोग सवार थे।

दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक में फंसे ऑटो से शव और घायलों और को जेसीबी की मदद से बाहर निकाला गया। इस हादसे में ऑटो चालक आलोक गुप्ता समेत 7 लोगों की जान चली गई। मृतकों में पांच लोग एक ही परिवार के हैं।

ट्रक ड्राइवर नशे में, उसे पता ही नहीं क्या हुआ

पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। छतरपुर के बक्सवाहा का रहने वाला ड्राइवर नीरज सिंह लोधी (22) शराब के नशे में है। पुलिस मेंडिकल जांच के लिए उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची है। वह इतने नशे में है कि कुछ भी बोलने की हालत में नहीं है। उसे तो ये भी होश नहीं कि क्या हुआ है।

मरने वालों में 5 लोग एक ही परिवार के

हादसे में मरने वाले 5 लोग राकेश गुप्ता के परिवार के हैं। इसमें राकेश की भी मौत हुई है। सभी लोग दमोह शहर के शोभा नगर के रहने वाले हैं और बांदकपुर दर्शन करने जा रहे थे।

सीएम ने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख का मुआवजे की घोषणा की,जताया गहरा दुख

सीएम मोहन यादव ने दमोह में हुए हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा- हादसे में लापरवाही करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली गिरने से दो की मौत, टीचर समेत 5 घायल

इंदौर—जबलपुर समेत 11 जिलों में बारिश



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में विदाई से पहले मानसून फिर बरसने लगा है। सितंबर में चौथी बार स्ट्रॉंग सिस्टम एक्टिव हो गया। लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी होने से मंगलवार को फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। इंदौर, जबलपुर समेत 11 जिलों में बारिश हुई।

इधर, मंडला में घुघुरी जनपद पंचायत में एक स्कूल में बिजली गिरने से दो टीचर और 5 बच्चे घायल हो गए। डिंडौरी में दो नाबालिगों आकाशीय

चलता रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, बैतूल, पांडुरा, बालाघाट में तेज बारिश का अवर्त है। ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, गुना, नीमच और मंडसौर में तेज धूप खिली रहेगी। वहीं, भोपाल, उज्जैन, जबलपुर समेत बाकी के जिलों में हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनेगी।

बच्चियों से दुष्कर्म करने वालों को चौराहे पर जलाना चाहिए

छत्तीसगढ़ में प्रदीप मिश्रा बोले— बेटी को तलवार—भाला चलाना सिखाइए, उन्हें आत्म बल दीजिए

धमतरी (नप्र)। छोटी बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों को चौराहे पर लाकर जला देना चाहिए। मां-बाप अपनी बेटियों को तलवार चलाना सिखाएं। ये बात मध्यप्रदेश के कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने छत्तीसगढ़ के धमतरी में कही।

जिले के कुकरेल में 20 सितंबर से कथा चल रही है। अंतिम दिन उन्होंने कहा- घर की स्त्री और बेटी की रक्षा स्वयं करनी होगी। अपनी बेटी को तलवार चलाना सिखाइए, भाला, डंडा चलाना सिखाइए, कराते सिखाइए। बेटी को आत्म बल दीजिए।

दरअसल, मध्यप्रदेश में हाल ही में छोटी बच्चियों के साथ रेप की कई वारदात सामने आई हैं। इसी संदर्भ में पंडित प्रदीप मिश्रा ने ये बात कही। इसी तरह का बयान एमपी की पूर्व मंत्री उषा ठाकुर ने भी दिया है।

आने वाले समय भी फिर महाभारत जैसे हालात— पंडित प्रदीप मिश्रा ने अपनी बात की शुरुआत यह कहते हुए की, कि नीयत-नजर और नीति के खराब



उनके साथ गलत हो रहा है। सीएम साय की पत्नी कौशल्या साय भी प्रदीप मिश्रा से कथा सुनने पहुंचीं।

रावण को छोड़ो, दुष्कर्मियों को जलाओ— पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा- रावण ने मां जानकी को छुआ



राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

ज्वेलर को गोली मारी, 17 लाख के जेवर-कैश लूटे

ग्वालियर में पुलिस ने घेरा तो फायरिंग की, एनकाउंटर में तीन आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में सर्राफा कारोबारी से 17 लाख की लूट हो गई। बाइक सवार तीन बदमाशों ने कारोबारी पर फायरिंग की और बैग छीनकर भाग गए। कारोबारी के पैर में गोली लगी है। घटना सोमवार रात की है। पुलिस ने आज सुबह करीब 7 बजे बदमाशों को एनकाउंटर में पकड़ लिया। एक आरोपी के घुटने में गोली लगी है।

सोमवार रात करीब 10 बजे सर्राफा कारोबारी चाहत सोनी महाराजपुरा कुशवाहा मार्केट में अपनी श्री रामराजा ज्वेलर्स शॉप पर ताला लगा रहा था। पिता पुष्पेन्द्र सोनी डिवाइड कर उस पार बैठे का इंतजार कर रहे थे। चाहत के पास पिट्टू बैग था, जिसमें 200 ग्राम सोना और एक लाख रुपए कैश था। चाहत ताला लगाकर जैसे ही निकला, बाइक पर तीन बदमाश आए। एक ने फायरिंग की। पैर में गोली लगने से भगम नहीं पाया और वहीं गिर गया। बदमाश ने बैग छीना और बाइक पर बैठकर भाग निकले। आईजी ग्वालियर अरविंद सक्सेना ने सर्राफा कारोबारी से लूट के बाद आरोपियों पर 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया था।

पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग कर दी—



रोड की दूसरी तरफ खड़े पिता ने बेटे के पास पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन जब तक वह पहुंचे बदमाश भाग चुके थे। जिसके बाद पुलिस ने शहर में नाकाबंदी कर लुटरो की तलाश शुरू कर दी। आईजी ग्वालियर अरविंद सक्सेना, डीआईजी अमित सांघी और एसपी राकेश कुमार सारत तत्काल स्पांट पर पहुंच गए। सर्राफा कारोबारी के पड़ोस की दुकान पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें लूट की वारदात कैद हो गई थी।

पुलिस ने मंगलवार सुबह बदमाशों को खेरिया मोदी गांव के पास घेर लिया। पुलिस को देखते ही अरुण चौहान ने फायरिंग की। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो अरुण के दो साथी प्रमोद तोमर और राधास्वामी जाटव भाग गए। मुठभेड़

में मुरैना का शांतिर बदमाश अरुण चौहान घुटने पर गोली लगी और वह गिर पड़ा। पुलिस ने उसे दबाव लिया। प्रमोद और राधास्वामी को कुछ दूरी पर पकड़ा। इनके पास से लूटा हुआ माल बरामद कर लिया गया।

डीडी नगर की ओर से आए थे— पुलिस का कहना है कि तीनों आरोपी कई दिन से यहां रेंकी कर रहे थे। बदमाशों को पता था कि सर्राफा कारोबारी रोज दुकान बंद करने के बाद सोना और कैश लेकर शताब्दीपुरम की ओर जाता है। बदमाश डीडी नगर पुलिस चौकी की ओर से आए और लूट कर शहर की तरफ भागे। जिस रूट की तरफ बदमाश भागे थे, वो मुरैना की तरफ जाता है।

आर्मस एक्ट, लूट, डकैती और हत्या के 19 मामले दर्ज— पकड़े गए लुटरो का पूरा रिकॉर्ड पुलिस के पास आ गया है। तीनों पर आर्मस एक्ट, लूट, डकैती, हत्या का प्रयास व हत्या के 19 मामले दर्ज हैं। अकेले गिरोह के सराना अरुण पर 11 मामले दर्ज हैं। प्रमोद तोमर पर तीन और राधास्वामी पर 5 अपराधिक मामले दर्ज हैं। तीनों मुरैना के पोरसा और अंबाहा थाना के हिस्ट्रीशीटर हैं।

भूपेश के बयान पर बोले— पहले एक लोटा जल चढ़ाकर तो देखें

बालोद में एक सभा में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा था कि, एक लोटा जल चढ़ा दो और जीवन में कुछ काम मत करो। बच्चों को मत पढ़ाओ, खेत में काम मत करो, बस एक लोटा जल चढ़ा दो सब ठीक होगा। हम इसे आस्था नहीं कह सकते। यह आस्था नहीं, बल्कि भाजपा का फैलाया अंधविश्वास है। भूपेश के बयान पर पंडित मिश्रा ने कहा कि, पहले एक लोटा जल चढ़ा कर तो देखें। तब पता चलेगा की विश्वास है या अंधविश्वास है। जिनको सनातन धर्म नहीं सुहाता, वो अलग विषय है।

पितृ पक्ष अशुभ नहीं शुभ होता है

प्रदीप मिश्रा ने श्राद्ध या पितृ पक्ष को लेकर भी कहा कि पितृ आपको बुरा करेंगे, ये श्राद्ध का मतलब नहीं है। पितृ आपको श्राप देंगे यह श्राद्ध का मतलब नहीं है। पितृपक्ष में कह दिया जाता है कि कुछ नया काम या शुभ काम न करो। पितृपक्ष चल रहा है, ये कहकर लोगों में भय पैदा किया जाता है।